सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 305 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 13 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

भारतीय ग्रैंडमास्टर गुकेश बने शतरंज... 7 | ईवीएम पर सवाल, कुछ तो है... 3 | पीड़ित परिवार पर सरकार ही कर... 2

अपने ऊपर लगे आरोप के बाद भड़के धनखड़ !

राज्यसभा में भारी हंगामा

सभापति और नेता विपक्ष खरगे के बीच हुई तीखी बहस

» कांग्रेस बोली- सदन परंपरा और नियमों से चलेगा

» लोस में प्रियंका ने अपने पहले संबोधन में किया सरकार पर तीखा प्रहार

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में सभापति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए जाने का मुद्दा उठा, जिस पर हंगामा हो गया। जैसे ही विपक्ष ने उपसभापति पर बोलना शुरू किया वैसे ही उन्होंने अपने ऊपर आरोप लगते देखा तो वह भड़क गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व उपसभापति में तीखी बहस हुई। राज्यसभा में जब हंगामा शांत नहीं हो सका, तो सभापति धनखड़ ने सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया। उधर आज पहली बार लोकसभा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी अपना संबोधन दिया। उन्होंने अपने भाषण में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला।

गौरतलब है कि राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। विपक्षी दलों ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए अनुच्छेद 67बी के तहत नोटिस दिया। ये नोटिस राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को सौंपा गया। देश में 72 साल के संसदीय लोकतंत्र के इतिहास में राज्यसभा सभापति के खिलाफ कभी महाभियोग नहीं आया था। भाजपा सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल ने आरोप लगाया कि विपक्ष द्वारा सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव में नियमों का पालन नहीं किया गया। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए 14 दिन का समय दिया जाता है और फिर उस पर सदन में चर्चा होती है, लेकिन उससे पहले ही मीडिया में आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा उपराष्ट्रपति को कभी सम्मान नहीं दिया गया। राधा मोहन दास अग्रवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर उपराष्ट्रपति के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। भाजपा सांसद ने उपराष्ट्रपति की तारीफ की। इस पर विपक्ष भड़क गया।

मैं किसान का बेटा, झुकूंगा नहीं : धनखड़

विपक्ष ने जब हंगामा शुरू किया तो सभापति ने इस पर नाराजगी जाहिर की। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने जब अपनी बात रखी तो सभापति नाराज हो गए और बोले कि मैं किसान का बेटा हूं और किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़ूंगा। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के इस बयान कि हम सदन में आपकी तारीफ सुनने नहीं जनता पर सभापति ने कहा कि पूरा देश जानता है कि आपको किनकी तारीफ पसंद है। आप अपनी बात रखिए। खरगे ने कहा कि आप मेरा अपमान कर रहे हैं तो मैं आपका सम्मान कैसे कर सकता हूं।

विपक्ष का अपमान कर रहे सभापति : खरगे

राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सदन परंपरा और नियमों से चलेगा और निष्पक्षता से चलेगा। खरगे ने कहा कि आप अगर किसान हैं तो मैं मजदूर का बेटा हूं। खरगे ने कहा कि आप विपक्ष का अपमान कर रहे हैं। हम आपकी तारीफ सुनने के लिए नहीं आए हैं। हम देश के मुद्दों पर चर्चा के लिए आए हैं।

संविधान वंचित लोगों को अधिकार दिलाने के लिए है : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश स्थित कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर चर्चा में हिस्सा लिया। अखिलेश ने कहा कि संविधान निर्माओं को मेरा नमन् है और इसी की वजह से देश एकजुट है। सियासी समीकरण पीडीए का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमें विविधता में एकता पर गर्व है, हमारे जैसे लोग और कमजोर लोग और खासकर पीडीए के लोगों के लिए संविधान जन्म मरण का विषय है, सपा चीफ ने कहा कि ये संविधान वंचित लोगों को अधिकार दिलाने के लिए है ,संविधान देश की प्राण वायु है, संविधान की प्रस्तावना संविधान का निचोड़ है। सपा चीफ ने कहा कि सीमाओं का रक्षा करना प्रथम कर्तव्य है. जिस देश की सीमाओं की सुरक्षा में जहां पर समय समय पर सेंध लगती हो और हमारे माननयी मंत्री बेहतर जानते हैं कि कई जगहों पर सीमाएं सिकुड़ रही है। देश में अमीर और गरीब के बीच गहरी खाई है। देश में अभिव्यक्ति की आजादी की चर्चा करते हुए अखिलेश ने कहा कि आर्टिकल 14 - कानून के समक्ष समानता - हो क्या रहा है? एक ही कानून किसी के लिए अलग, किसी के लिए अलग।

संसद में दहाड़ीं प्रियंका

बोलीं- सारी जिम्मेदारी नेहरू की तो सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी क्या है?

संविधान पर चर्चा में कांग्रेस की ओर से हिस्सा लेते हुए प्रियंका गांधी ने संसद में अपना पहला स्पीच भी दिया। उन्होंने कहा, सत्ता पक्ष के साथी पुरानी बातें करते हैं, नेहरू जी ने क्या किया? वर्तमान की बात करिए। आप क्या कर रहे हैं? आपकी जिम्मेदारी क्या है? सारी जिम्मेदारी जवाहरलाल नेहरू की है? ये सरकार बेरोजगारी से जूझ रही जनता को क्या दे रही है। एमएसपी तो छोड़िए डीएपी तक नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, हमारे देश में संवाद और चर्चा की परंपरा रही है। ये गौरवशाली परंपरा है. दर्शन ग्रंथों, वेदों में भी ये परंपरा दिखती है। इस्लाम, सूफियों, जैन, बौद्ध धर्म में भी इसकी संस्कृति रही है, इसी परंपरा से उभरा हमारा स्वतंत्रता संग्राम। प्रियंका गांधी ने कहा, हमारा स्वतंत्रता संग्राम अनोखा संग्राम था। अनोखी लड़ाई थी जो अहिंसा पर आधारित थी, ये जो लड़ाई थी, ये बेहद लोकतांत्रिक लड़ाई थी, इसमें देश के जवान, किसान, अधिवक्ता चाहें किसी भी धर्म, जाति के थे सब इसमें शामिल हुए. सबने आजादी की लड़ाई लड़ी, उसी लड़ाई से एक आवाज उभरी जो हमारे देश की आवाज थी, वही आवाज आज हमारा संविधान है, साहस की आवाज थी। प्रियंका गांधी ने हाल ही में संभल में हुई हिंसा का भी जिक्र किया। प्रियंका गांधी ने कहा, सरकार आरक्षण को कमजोर करने का काम कर रही है, लोकसभा में ये नतीजे नहीं आते तो ये संविधान बदलने का काम भी शुरू कर देते, इस चुनाव में इन्हें पता चल गया कि देश की जनता ही संविधान को सुरक्षित रखती है, हारते हारते जीतने के बाद इन्हें अहसास हुआ कि ये बात देश में नहीं चलेगी। प्रियंका ने कहा, जाति जनगणना जरूरी है, जिससे पता चले कि किसकी क्या संख्या है। नीतियां उस हिसाब से बने। प्रियंका गांधी ने कहा, आप महिला शक्ति की बात करते हैं,चुनाव की वजह से आज इतनी बात हो रही है, संविधान में महिलाओं को अधिकार दिया और उसे वोट में परिवर्तित किया। आज आपको पहचानना पड़ा कि उनकी शक्ति के बिना आपकी सरकार नहीं बन सकती। प्रियंका गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी का नाम लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा। प्रियंका ने कहा, देश देख रहा है कि एक व्यक्ति को बचाने के लिए ये सब हो रहा है, सारे मौके, सारे संसाधन एक ही व्यक्ति को दिए जा रहे हैं। प्रियंका ने कहा, आप भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांग लीजिए। आप भी बैलेट पर चुनाव कर लीजिए।

सरकार आरक्षण को कमजोर करने का काम कर रही है, लोकसभा में ये नतीजे नहीं आते तो ये संविधान बदलने का काम भी शुरू कर देते

एक नेता संविधान की प्रति जेब में रखते हैं, उन्होंने अपने पूर्वजों से यही सीखा : राजनाथ

लोकसभा में संविधान पर चर्चा की शुरुआत केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। उन्होंने कहा कि75 साल पहले संविधान सभा ने संविधान निर्माण का काम पूरा किया था। संविधान सभा ने जो संविधान तैयार किया था, वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं था बल्कि वह जनआकांक्षाओं का प्रतिबिंब था। राजनाथ सिंह ने कहा कि संविधान से देश में सही मायने में लोकतंत्र लागू हुआ। हमारा संविधान सार्वभौम है, जहां यह राज्य की जिम्मेदारियों को सूचीबद्ध करता है तो वहीं नागरिकों के अधिकारों का भी उल्लेख करता है। हमारा संविधान सहकारी सघंवाद को सुनिश्चित करता है तो राष्ट्र की एकता को भी सुनिश्चित करता है। भारत का संविधान देश के गौरव को स्थापित करने का रोडमैप भी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा हमारे संविधान को उपनिवेशवाद का उपहार या अच्छी बातों का संकलन मात्र मान लिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है। संविधान निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका को नकार दिया गया। अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि एक पार्टी विशेष के नेता संविधान की प्रति अपनी जेब में रखकर चलते हैं। दरअसल उन्होंने अपने पूर्वजों से यही सीखा है। राजनाथ सिंह का यह तंज कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर माना जा रहा है।

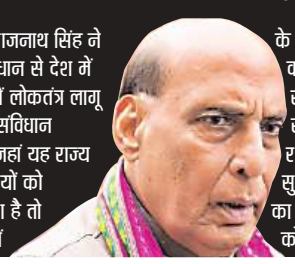

पीड़ित परिवार पर सरकार ही कर रही है अत्याचार : राहुल गांधी

हाथरस पीड़िता के परिवार से मिले नेता प्रतिपक्ष

मुलाकात के बाद साझा किया आंखों देखा हाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपने एक्स पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि हाथरस जाकर 4 साल पहले हुई शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना के पीड़ित परिवार से मिला। मुलाक़ात के दौरान उन्होंने जो बातें बताई उसने मुझे झकझोर कर रख दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने उनसे जो वादे किए थे, वे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। न तो सरकारी नौकरी दी गई है और न ही उन्हें किसी दूसरी जगह घर देकर शिफ्ट करने का वादा पूरा किया गया है। इसके साथ ही राहुल ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय देने के बजाय, सरकार उन पर तरह-तरह से अत्याचार कर रही है। दूसरी तरफ़ आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं।

गौरतलब हो कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 2020 सामूहिक बलात्कार पीड़िता के परिवार से मिलने के लिए हाथरस गए। बैठक के बाद, गांधी ने परिवार से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए भाजपा सरकार की आलोचना की और अधिकारियों पर उनके साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि पूरा परिवार आज भी डर के साए में जी रहा है। उनके साथ क्रिमिनल्स के जैसा व्यवहार किया जा रहा है। वे स्वतंत्र रूप से कहीं आ-जा नहीं सकते हैं, उन्हें हर समय बंदूक और कैमरों की निगरानी में रखा जाता है। कांग्रेस नेता ने लिखा कि इस परिवार की हताशा और निराशा भाजपा द्वारा दलितों के ऊपर किए जा रहे अत्याचार की सच्चाई को दिखाते हैं। लेकिन हम इस परिवार को यूं ही इनके हाल पर रहने को मजबूर नहीं होने देंगे। इन्हें न्याय दिलाने के लिए हम पूरी ताक़त के साथ लड़ेंगे।

पीड़ित परिवार ने खुद नेता प्रतिपक्ष को बुलाया था : अजय राय

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथरस दौरे के सवाल पर उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार ने खुद उनको बुलाया था। इंडिया गठबंधन में रार के सवाल पर अजय ने कहा कि सपा-कांग्रेस में एकजुटता से काम हो रहा है। आगे भी गठबंधन रहेगा।

18 को यूपी विधानभवन घेरेगी कांग्रेस

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनसमस्याओं के निस्तारण के बजाय सिर्फ हिंदू-मुसलमान करा रही है। वह प्रदेश कार्यालय में पार्टी के आगामी योजनाओं की जानकारी दे रहे थे। श्री राय ने कहा कि राजधानी लखनऊ में कांग्रेस हिंसा, बदायूं जैसे प्रकरण, बिजली निजीकरण समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर 18 दिसंबर को विधानभवन का घेराव करेगी। इसमें हर जिले के कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। उन्होंने सभी विपक्षी दलों के विधायकों से घेराव में सहयोग की अपील की। इस दौरान घेराव का पोस्टर भी जारी किया गया।

निशिकांत दुबे राहुल गांधी पर झूठे आरोप लगा रहे हैं : मणिकम टैगोर

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर तीखा हमला बोला और दोनों के अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस से संबंध होने के गंभीर आरोप लगाए। निशिकांत दुबे के इन आरोपों को लेकर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को चिट्ठी लिखी, जिसमें उन्होंने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणियों को झूठ और अपमानजनक बताते हुए लोकसभा की कार्यवाही से हटाने की मांग की। मणिकम टैगोर ने पत्र में लिखा है, निशिकांत दुबे की टिप्पणी अपमानजनक है और इसमें की गई टिप्पणियां झूठी और गलत इरादे से की गई हैं। इनमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी पर आरोप लगाए गए हैं। इसलिए अनुरोध है कि टिप्पणी को तत्काल लोकसभा की कार्यवाही से हटाया जाए। मणिकम टैगोर ने चिट्ठी में मांग की है कि निशिकांत दुबे की टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से हटाया जाए।

बिजली उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ाने की साजिश : आराधना

पार्टी विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि सरकार बिजली का निजीकरण करके उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ाने की साजिश रच रही है। इस मौके पर पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा, मो. मोईद अहमद, दीपक सिंह, अनिल यादव, मनीष श्रीवास्तव हिंदवी आदि भी थे।

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में मुनाफाखोरी जोरों पर : अखिलेश

» बोले- डबल इंजन सरकार से जनता को डबल खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार में प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट हो गई है। पूरा विभाग भ्रष्टाचार में डूबा है। स्वास्थ्य सेवाएं दलाली और मुनाफाखोरी की गिरफ्त में हैं। उन्होंने कहा कि पहले प्रयागराज में नकली प्लेटलेट्स का खुलासा हुआ और अब आगरा में नकली दवाई के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ हुआ है।

प्रदेश में पूरब से लेकर पश्चिम तक ड्रग माफिया का राज है। इतने बड़े नेटवर्क को चलाने वालों के तार किस सत्ताधारी से जड़े हैं, इसका पर्दाफाश होना चाहिए। कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार से प्रदेश की जनता के लिए डबल खतरा है। भाजपा सरकार, महंगाई भ्रष्टाचार, मिलावटखोरी रोक पाने में पूरी तरह से असफल है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार जनता का भरोसा खोती जा रही है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को स्वास्थ्य मंत्री से पूछना चाहिए कि ये धांधली कैसे हो रही है। अगर इस अवैध कारोबार में पुलिस भी शामिल है तो सीएम इसके लिए जिम्मेदार हैं। कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर अल्लीपुर में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज में दरारें पड़ने की जांच भी होनी चाहिए।

दिल्ली चुनाव : कांग्रेस ने जारी की पहली लिस्ट

» केजरीवाल के खिलाफ पूर्व सीएम शीला दीक्षित के पुत्र संदीप ठोंकेंगे ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 21 प्रत्याशियों के पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट को देखने के बाद रणनीतिकार यह कह रहे हैं कांग्रेस चुनाव को लेकर संजीदा दिख रही है। कभी दिल्ली की सियासत में धुरंधर माने जाने वाले चेहरों को कांग्रेस ने मैदान में उतारा है। पार्टी का दावा है कि आगे दूसरी लिस्ट में और भी चौंकाने वाले नाम होंगे।

दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता दमखम से मैदान में होंगे। दिल्ली कांग्रेस की न्याय यात्रा ने कार्यकर्ताओं में जोश भरकर इसके लिए पहले ही आधार तैयार कर रखा है। दरअसल, पार्टी ने जो पहली लिस्ट जारी की है, उसमें सबसे दिलचस्प नाम संदीप दीक्षित का है। उनको नई दिल्ली की उसी सीट से प्रत्याशी बनाया गया है, जहां से उनकी मां व दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का शिकस्त देकर आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपना सियासी सफर शुरू किया और तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। ऐसे में माना जा रहा है कि सियासी के साथ यह सीट संदीप दीक्षित के लिए निजी तौर पर भी खासा अहम होगी। अगर केजरीवाल नई दिल्ली विधान सभा से चुनाव लड़ते हैं तो कांग्रेस-आप की लड़ाई आर-पार की होगी।

चौड़ा ने भावनाओं में आकर हमला किया : मान

» सीएम बोले- तीन दिन में पूरी कहानी सामने होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । श्री हरिमंदिर साहिब में शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर बादल पर हुए जानलेवा हमले के मामले में सीएम भगवंत मान ने बड़ा बयान दिया है। सीएम मान ने नई दिल्ली में संसद के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि नारायण सिंह चौड़ा ने भावनाओं में आकर यह हमला किया है।

मान ने कहा कि सुखबीर पर हमले को लेकर जब पुलिस ने एसजीपीसी से सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने के लिए कहा, तो उन्होंने इन्कार कर दिया। पंजाब सरकार को हाईकोर्ट जाकर श्री हरिमंदिर साहिब के सीसीटीवी फुटेज हासिल करने पड़े। सीएम ने कहा कि अगले दो से तीन दिन के अंदर पंजाब पुलिस इस पूरे मामले में अपनी जांच रिपोर्ट का खुलासा करेगी। सुखबीर पर हुए जानलेवा हमले को 8 दिन बीत चुके हैं, पुलिस चौड़ा के अलावा इस केस में अन्य किसी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। शिअद के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने हमले से पहले चौड़ा के श्री हरिमंदिर साहिब में ड्यूटी पर तैनात एसपी हरपाल रंधावा और संदिग्ध लोगों से बातचीत का फुटेज जारी कर पुलिस पर सवाल उठाए हैं। बचाव पक्ष के वकील जगदीप सिंह रंधावा ने बीते रोज मीडिया से बातचीत में नया खुलासा किया है। रंधावा ने कहा कि चौड़ा ने सुखबीर पर हमले से पहले श्री गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी से मुलाकात की थी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को एसजीपीसी की ओर से सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध करा दी गई है। पुलिस हमले से एक दिन पहले और घटना वाले दिन की फुटेज में सभी लिंक खंगाल रही है, हालांकि पुलिस के विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो इस हमले को अब रंजिशन और बेअदबी की भावनाओं से आहत होकर हमले करने की थ्योरी देने में जुट गई है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

रोने वाले विधायक के पास पहुंचे लालू प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» तेज प्रताप को राजद प्रमुख ने दिया मैसेज

वैशाली। राजनीति असीमित संभावनाओं का खेल है। लालू प्रसाद यादव के बड़े पुत्र तेजप्रताप यादव पिछले दिनों वैशाली जिले के महुआ विधानसभा से चुनाव लड़ने का संकेत हाजीपुर में एक निजी कार्यक्रम में मीडिया से बात करते हुए दिए थे। महुआ विधायक राजद के मुकेश रोशन के खिलाफ चुनाव लड़ने का बिगुल इससे पहले भी तेजप्रताप के द्वारा फूंका जा चुका है।

बता दें कि साल 2025 में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां अपना समीकरण बैठाने में लगी हुई हैं और तेजप्रताप के बयान आने के बाद महुआ के विधायक मुकेश रोशन के द्वारा मीडिया से बात करते हुए रोने का वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुआ था। लेकिन इन तमाम अटकलों के बीच राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव महुआ विधायक मुकेश रोशन के साथ एक कार्यक्रम में शामिल होने महुआ पहुंचे। जहां पर लालू प्रसाद यादव अपने बगल वाली कुर्सी पर महुआ विधायक को बैठाते हैं और पूरे कार्यक्रम में अपने साथ रखते हैं।

ईवीएम पर सवाल, कुछ तो है मायाजाल!

कई वोटरों ने कहा हमने जिनको वोट दिया उनको नहीं मिले

- महाराष्ट्र के चुनावों के परिणाम पर विपक्ष को शक
- चुनाव आयोग को कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों ने घेरा
- भाजपा ने कहा हारने पर ईवीए बन जाती है दुश्मन
- महाराष्ट्र में नतीजों और ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायतें आम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष लगातार ईवीएम के मुद्दे पर चुनाव आयोग और केंद्र की भारतीय जनता पार्टी को घेर रहा है। दरअसल, महाराष्ट्र में चुनावी नतीजे घोषित हुए अब लगभग 20 दिनों का समय बीत चुका है और एक हफ्ता सरकार का गठन हुए भी हो चुका है, लेकिन विपक्ष इन नतीजों को स्वीकार करने और अपनी हार मानने को तैयार नहीं है। वजह है विपक्ष का नतीजों से संतुष्ट न होना, विपक्ष लगातार ये आरोप लगा रहा है कि चुनावों में धांधली हुई है और ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है, हालांकि, बीजेपी की ओर से इन आरोपों को सिर्फ हार की खीझ और अपनी निराशा को छुपाना बताया जा रहा है, जबकि चुनाव आयोग की ओर से भी इन आरोपों को लगातार खारिज ही किया जा रहा है।

चुनाव आयोग एक ही बात की रट लगाए हुए है कि नतीजे निष्पक्ष हैं और ईवीएम में कोई गड़बड़ी नहीं की गई है, लेकिन सवाल ये ही उठता है कि अगर वाकई में ईवीएम से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है तो कई क्षेत्रों में जनता क्यों नतीजों पर सवाल उठा रही है और ये कह रही है कि नतीजे वो नहीं आए जो हमने वोट दिए, यानी अगर ईवीएम का इस्तेमाल करने वाले और ईवीएम में अपने मत को बंद करने वाले ही ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं और नतीजों पर नाराजगी जता रहे हैं, तो फिर कुछ न कुछ तो गड़बड़ है ही।दरअसल, ईवीएम और चुनावी नतीजों पर अब सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि पिछले 8-10 सालों में जिस तरह से देश की सरकारी एजेंसियों व स्वतंत्र संस्थाओं पर सत्ता का एकाधिकार हुआ है, उससे कहीं न कहीं अब लोगों का इन स्वतंत्र संस्थाओं व सरकारी एजेंसियों पर से भी भरोसा उठ चुका है.. यही कारण है कि अब सिर्फ विपक्ष ही नहीं बल्कि जनता भी चुनाव नतीजों पर यकीन नहीं कर पा रही है और लगातार विरोध व आंदोलन कर रही है। महाराष्ट्र में विपक्ष अभी भी नतीजों को स्वीकार नहीं कर रहा है और पहले दिन से लेकर अभी तक ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे है.. अब विपक्ष के इंडिया गठबंधन ने ईवीएम में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग को घेरने की एक और रणनीती बनाई है.. अब इंडिया गठबंधन महाराष्ट्र में नतीजों और ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर जाएगा और न्यायपालिका से इंसाफ की गुहार लगाएगा.. महाराष्ट्र नतीजों के विरोध में ईवीएम की शिकायत करने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला इंडिया गठबंधन ने महाराष्ट्र के चाणक्य कहे जाने वाले एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार के घर पर हुई बैठक में लिया गया.. शरद पवार के घर हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में शरद पवार के अलावा आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस की ओर से पार्टी के सीनियर लीडर व जाने-माने वकील अभिषेक मनु सिंघवी और गुरदीप सप्पल मौजूद रहे.. इस बैठक में एक बार फिर महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन को मिले झटके और चुनावी नतीजों में हुई गड़बड़ी को लेकर चर्चा की गई है.. विपक्षी गठबंधन इंडिया की ओर से ये आरोप लगाया जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के पक्ष में ईवीएम में कथित गड़बड़ी हुई, जिसके कारण वह महाराष्ट्र में चुनाव हार गया.. इस बैठक के दौरान केजरीवाल ने दिल्ली में मतदाता सूची से संबंधित अपनी चिंताओं को उठाया, जहां अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है.. इसी बैठक के दौरान इंडिया गठबंधन ने ये फैसला लिया कि अब वो ईवीएम के मुद्दे को लेकर सुप्रीम चौखट पर जाएगा। जबकि ईवीएम पर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा लगातार उठाये जा रहे आरोपों को भारतीय निर्वाचन आयोग ने खारिज कर दिया और कहा कि राज्य में वीवीपैट की गिनती में किसी प्रकार की खामी सामने नहीं आई है। आयोग ने नियमों के मुताबिक हर विधानसभा क्षेत्र के पांच पोलिंग स्टेशनों के ईवीएम के वोटों का वीवीपैट से मिलान जरूरी होता है। इन पांच पोलिंग स्टेशनों का चयन लॉटरी के जरिये होता है और वीवीपैट तथा ईवीएम के वोटों के मिलान के दौरान चुनाव आयोग के ऑब्जर्वर और हर उम्मीदवार के प्रतिनिधि मौजूद होते हैं। 23 नवंबर को मतगणना के दिन महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए 1,440 पोलिंग स्टेशन के वीवीपैट स्लिप का मिलान किया गया था। हर विधानसभा क्षेत्र में पांच पोलिंग स्टेशन के वोटों की गिनती के बाद कहीं भी उम्मीदवारों को ईवीएम में मिले वोट और वीवीपैट मशीन की पर्ची में कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई उसने बताया कि सभी 36 जिलों से जिला निर्वाचन अधिकारियों की रिपोर्ट आ चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करेंगे एनसीपी के नेता

शरद पवार की एनसीपी के नेता प्रशांत जगताप ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा भाजपा को जिताने के लिए जो धांधली की गई, उसके खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करेंगे.. एनसीपी नेता ने कहा कि हमें सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है और हम उम्मीद करते हैं कि शीर्ष अदालत हमारे पक्ष में और घोटाले के खिलाफ फैसला सुनाएगी.. इस दौरान एनसीपी नेता ने चुनाव आयोग पर ईवीएम में एसओपी का पालन न करने का आरोप भी लगाया.. प्रशांत जगताप ने चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए आगे कहा कि महाराष्ट्र में मतदान से तीन दिन पहले तक मतदाताओं के नाम काटे और जोड़े गए.. हमारे पास अपने दावे के समर्थन में आंकड़े भी हैं.. उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में ईवीएम और वीवीपैट पर एसओपी का पालन नहीं किया गया.. इस दौरान पुणे एनसीपी (एसपी) चीफ प्रशांत जगताप ने ये भी बताया कि बैठक में भी अरविंद केजरीवाल ने बताया है कि कैसे भाजपा नेताओं के आवेदनों के आधार पर दिल्ली के एक निर्वाचन क्षेत्र से 11 हजार मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश की गई.. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा से मिली सीख के बाद यह कार्रवाई की जा रही है।

चुनाव आयोग पर भाजपा को लाभ पहुंचाने का आरोप

महाराष्ट्र में मिली हार के बाद से विपक्ष लगातार ही चुनाव आयोग पर सत्ता पक्ष यानी भाजपा को लाभ पहुंचाने का आरोप लगा रहा है और चुनाव में धांधली की बात को दोहरा रहा है.. अब इसको लेकर इंडिया गठबंधन के सुप्रीम चौखट पर जाने को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भी ईवीएम पर सवाल उठाया और चुनाव आयोग को भी घेरा। नाना पटोले के अलावा कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने भी ईवीएम को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि लोगों को ईवीएम पर भरोसा नहीं है,इसीलिए अब हम आपनी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जहां हमें न्याय की उम्मीद है। वैसे ये पहला मौका नहीं है जब विपक्ष ने चुनावों में धांधली करने और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाया हो.. इससे पहले हरियाणा के चुनावी नतीजों को लेकर भी विपक्ष ने सवाल उठाया था और इलेक्शन कमीशन पर बीजेपी को मदद पहुंचाने का आरोप लगाया था.. हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद इंडिया गठबंधन

असंतुष्ट इसलिए भी है, क्योंकि कुछ एग्जिट पोल में विपक्ष को व्यापक जनादेश मिलने की भविष्यवाणी की गई थी.. जबकि नतीजों में हालात पूरी तरह से बदले दिखे और हरियाणा की 90 सीटों में भाजपा ने बंपर 48 सीटें जीती.. जबकि कांग्रेस को केवल 37 सीटें ही मिल सकीं.. कुछ ऐसा ही हाल महाराष्ट्र में भी था.. महाराष्ट्र में जनता का रुख देखकर ये लग रहा था कि महाविकास अघाड़ी सत्ता में आ रही है और महायुति व बीजेपी को बड़ा नुकसान हो रहा है, लेकिन जब नतीजे सामने आए तो अनुमान पूरी तरह से गलत साबित हुए और महाविकास अघाड़ी नतीजों में बुरी तरह से हार गई ये ही वजह है कि विपक्ष लगातार ही ईवीएम में हेरफेर करने के आरोप लगा रहा है और बीजेपी पर चुनावों में गड़बड़ी करके जीत हासिल करने की बात कह रहा है। हालांकि, निर्वाचन आयोग की ओर से लगातार इसी बात को दोहराया जा रहा है कि ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित है, इसमें कोई धांधली नहीं की जा रही है.. महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर भी चुनाव आयोग का कहना है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में डाले गए वोट और 'वोटर वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीपीपैट) पर्चियों के मिलान में कोई भी गड़बड़ी नहीं पाई गई.. प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में औचक तरीके से चुने गए मतदान केंद्रों से वीवीपीएटी पर्चियों की गिनती सफलतापूर्वक पूरी हुई।

चुनाव आयोग की बातों पर भी प्रश्नचिन्ह

चुनाव आयोग तो इस तरह की बातें कर रहा है लेकिन सवाल ये ही कि अगर सबकुछ सही है तो फिर पब्लिक क्यों नतीजों पर नाराजगी जता रही है.. क्योंकि इस बार सिर्फ विपक्ष ही नहीं बल्कि पब्लिक भी चुनाव नतीजों को लेकर आंदोलन कर रही है.. सवाल ये भी उठता है कि अगर ईवीएम वाकई में निष्पक्ष है और सही है, तो फिर 2009 के लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद खुद बीजेपी ने भी क्यों ईवीएम को लेकर हंगामा काटा था और आरोप लगाए थे.. उस वक्त बीजेपी के कई दिग्गज नेताओं ने भी ईवीएम पर सवाल खड़े किए थे.. अब अगर इस समय विपक्ष सिर्फ अपनी हार को छुपाने के लिए ईवीएम का मुद्दा उठा रहा है और झूठे आरोप लगा रहा है, तो फिर यानी 2009 में बीजेपी ने भी झूठे आरोप ही लगाए थे और झूठा आंदोलन ही किया था.. कहीं न कहीं आज ईवीएम की तरफदारी कर रही सत्ता में बैठी बीजेपी खुद भी ईवीएम को लेकर संतुष्ट नहीं है और सवाल उठा चुकी है.. तो वहीं जिस तरह से बीजेपी ने पिछले कुछ सालों में सरकारी एजेंसियों व देश की स्वतंत्र संस्थाओं पर अपनी सत्ता का दबाव दिखाकर उनको अपना तोता बनाया है, उसको देखकर विपक्ष के इन आरोपों को सिरे से नकारा तो नहीं ही जा सकता.. वहीं अब तो जनता भी चुनावों में धांधली और ईवीएम को लेकर सवाल खड़े करने लगी है.. यही कारण है कि विपक्ष भी इस बार ईवीएम को लेकर ज्यादा आक्रामक दिख रहा है.. विपक्ष इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठा रहा है.. तो वहीं कांग्रेस ईवीएम को लेकर देशव्यापी आंदोलन करने तक की बात कह चुकी है.. फिलहाल अब देखना ये है कि सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे विपक्ष को देश की सर्वोच्च अदालत से कोई दिलासा मिलता है या नहीं.. क्योंकि देश की न्याय व्यवस्था भी अब कितनी निष्पक्ष और स्वतंत्र रह गई है, ये भी किसी से छिपा नहीं है.. फिलहाल देखते हैं क्या होता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कब रूकेंगी इस तरह के हृदय विदारक घटनाएं!

बीते कुछ सालों से दहेज को लेकर मुकदमों की बाढ़ सी आ गई है। ज्यादातर मामले इतने संजीदा हो गए हैं क्योकि इसमें कुछ पीड़ितों ने तो आत्म हत्या करके अपनी जान तक दे दी। अभी आजकल सबसे नया मामला बिहार के अतुल का है जिसमें उसने पत्नी द्वारा दहेज मुकदमें में फंसे होने के बाद आत्म हत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट मिली जिसमें लिखी बातों से कई चीजों का खुलास हुआ कि आजकल की कुछ शादियां इसलिए टूट जा रही हैं क्योंकि उनके बीच सामंजस्य नहीं बैठ पाता है मामला कोर्ट पहुंचता है बाद में लड़की पक्ष दहेज का केस कर देते हैं और गुजारा भत्ता की मांग कर देते जिससे लड़के व उसके परिजनों के उपर दबाव बढ़त जाता हे जिसका दुष्प्रभाव यह होता हे कि लोग आत्महत्या को मजबूर हो जातें हैं। समाज को अब कुछ ऐसा करना होगा कि इस तरह की घटनाएं रूक सके। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह दोहराया है कि वैवाहिक विवाद में पत्नी को दिया जाने वाला गुजारा भत्ता पति के लिए सजा जैसा नहीं होना चाहिए।

अदालतों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि पत्नी उचित तरीके से जीवन जी सके, लेकिन पति की आर्थिक स्थिति समेत तमाम दूसरी बातों का ध्यान रखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने एक फैसले में देश की सभी अदालतों को सलाह दी है कि वह 2020 में आए रजनेश बनाम नेहा फैसले के मुताबिक काम करें। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस इंदु मल्होत्रा और सुभाष रेड्डी की बेंच ने गुजारा भत्ता के मामले में 8 दिशानिर्देश दिए थे. सुप्रीम कोर्ट ने अपने नए फैसले में उन दिशानिर्देशों को फिर से दर्ज किया है। इन 8 बातों पर विचार करना चाहिए-पति और पत्नी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति,पत्नी और बच्चों के भविष्य से जुड़ी बुनियादी जरूरतें,दोनों पक्षों की शैक्षणिक योग्यता और रोजगार, आय के साधन और संपत्ति,ससुराल में रहते समय का पत्नी का जीवन स्तर, क्या पत्नी ने परिवार का ध्यान रखने के लिए नौकरी छोड़ दी थी,अगर पत्नी की कोई आमदनी न हो तो कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए उसका उचित खर्च, मेंटनेंस राशि का पति की आर्थिक स्थिति, आमदनी और दूसरी जिम्मेदारियों पर पड़ने वाला असर। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि यह 8 बातें गुजारा राशि तय करते समय देखी जानी चाहिए, लेकिन इसे हर मामले के लिए स्थायी फॉर्मूला न माना जाए. कोर्ट मामले के तथ्यों के हिसाब से आदेश दे सकते है सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला 10 दिसंबर को मनीष कुमार जैन बनाम अंजू जैन केस में आया है. स मामले में कोर्ट ने दोनों पक्षों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए 5 करोड़ रुपए की स्थायी एलिमनी राशि तय की।

प्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने एक फैसले में देश की सभी अदालतों को सलाह दी है कि वह 2020 में आए रजनेश बनाम नेहा फैसले के मुताबिक काम करें। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस इंदु मल्होत्रा और सुभाष रेड्डी की बेंच ने गुजारा भत्ता के मामले में 8 दिशानिर्देश दिए थे.

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न्यायिक सुधारों के दीर्घकालीन प्रभावों के यक्ष प्रश्न

डॉ. सुधीर कुमार वत्स

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के लागू होने के बाद से देश भर में इन नए कानूनों को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ये नये कानून भारतीय कानूनी प्रणाली के आधुनिकीकरण और सरलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ब्रिटिश काल के पुराने कानूनों को बदलकर, ये नए कानून देश की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और न्याय व्यवस्था में तेजी लाने, लंबित मामलों को जल्दी निपटाने में मदद करेंगे। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपराधों की जांच और मुकदमों को तय समय सीमा में निपटाने की व्यवस्था है, जिससे न्याय में देरी नहीं होगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत प्रावधान किए गए हैं, जिससे सुरक्षा की भावना बढ़ी है और अपराधों पर नियंत्रण की उम्मीद है।

इन कानूनों के माध्यम से सरकार कानून का शासन स्थापित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहरा रही है। कई लोग मानते हैं कि ये कानून देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे, क्योंकि ये निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करेंगे। इन कानूनों में तकनीकी बदलाव किए गए हैं, जैसे इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को स्वीकार करना, जो जांच प्रक्रिया को अधिक कुशल और प्रभावी बनाता है। कुछ लोगों का मानना है कि इन नए कानूनों में कई जगह अस्पष्टताएं हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता भी चिंतित हैं कि इन कानूनों का इस्तेमाल मौलिक अधिकारों का हनन करने के लिए किया जा सकता है। कुछ विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को बनाने में पर्याप्त चर्चा और विचार-विमर्श नहीं किया गया है। कुछ का मानना है कि इन कानूनों के तहत सरकार को बहुत अधिक शक्तियां दे दी गई हैं, जिसका दुरुपयोग हो सकता है। कई विपक्षी दल और नागरिक समाज संगठन इन कानूनों को लोकतंत्र के लिए चुनौती मानते हैं, यह चिंता जताते हुए कि ये कानून सरकार को विरोधियों को दबाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अतिक्रमण का एक उपकरण प्रदान कर सकते हैं।

कानूनों में अस्पष्ट और व्यापक शब्दों के प्रयोग से इनके दुरुपयोग का डर है, जैसे कि 'देशद्रोह' के दायरे को लेकर उठे सवाल। विपक्ष का आरोप है

कि इन कानूनों को संसद में बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के जल्दबाजी में पारित किया गया। उनका कहना है कि ये कानून व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, विशेषकर गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित प्रावधानों को लेकर चिंता जताई गई है।

कुछ लोगों का मानना है कि ये कानून पुलिस को अधिक शक्तियां देंगे, जिससे नागरिकों का दमन बढ़ सकता है। विद्वानों के अनुसार, ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए चुनौती हो सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय और विपक्षी दलों का आरोप है कि ये कानून विशेष रूप से उनके लिए चिंताजनक स्थितियां उत्पन्न करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को लागू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। लोग चिंतित हैं कि इन कानूनों का गलत इस्तेमाल हो सकता है और अधिकारों का हनन हो सकता है। कुछ लोग नए कानूनों का स्वागत कर रहे हैं, जबकि कुछ को संदेह है। कई का मानना है कि इन कानूनों के प्रभाव का सही आकलन करने में समय लगेगा। तर्क देते हैं कि ये कानून देश में कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे, अपराधों पर अंकुश लगाएंगे और न्यायपालिका को अधिक प्रभावी बनाएंगे। वकीलों का एक वर्ग इन कानूनों का विरोध कर रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करेंगे। नागरिक समाज के कई संगठन इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ हैं। नए कानून में राजद्रोह के दायरे को लेकर कई सवाल उठे हैं। विपक्ष का तर्क है कि यह प्रावधान सरकार के आलोचकों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

जमानत मिलने के मानदंडों को लेकर भी कई सवाल उठे हैं। पुलिसिया हिरासत के दौरान लोगों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। नए कानून में डिजिटल निगरानी के प्रावधानों को लेकर भी चिंताएं व्यक्त की गई हैं। कुछ का मानना है कि ये नए कानून काफी जटिल हैं और आम लोगों को इन्हें समझने में मुश्किल होगी। अदालतें इन कानूनों की व्याख्या कैसे करती हैं, और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इन कानूनों को किस तरह से लागू करती हैं, यह भी एक महत्वपूर्ण कारक होगा। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में हुए बदलावों को लेकर जनता की प्रतिक्रियाएं विविध हैं।

पूंजीवाद के दंश मगर विरोध सिर्फ पुरुषों का

क्षमा शर्मा

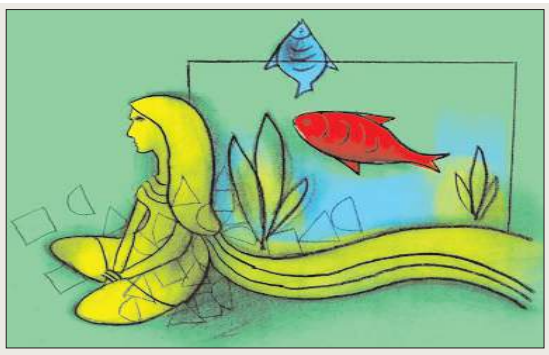

कहा जाता है कि अब तक दुनिया में चार बार फेमिनिज्म या स्त्रीवाद की लहर चली है। पहली बार स्त्रीवाद की बात उन्नीसवीं सदी के मध्य से लेकर बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों तक सुनी गई। फिर दूसरी बार स्त्री अधिकारों की तेज आवाजें 1960 से लेकर 1980 के शुरुआती वर्ष में देखी गईं। आपको याद होगा कि 1975 में संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष भी घोषित किया था। भारत में भी यह एक तरीके से स्त्रीवादी आंदोलन की शुरुआत थी। अपने यहां स्त्री अधिकारों की बातों को मीडिया ने भी उठाया। अमेरिका की तरह मीडिया बैशिंग औरतों को नहीं झेलना पड़ी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए तरह-तरह के कानून बनाए गए। यहां तक कि भारत में तो इंदिरा गांधी 1966 में ही प्रधानमंत्री बन गई थीं, अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर पहुंचने का इंतजार अभी तक महिलाओं को है। वहां तो वोट के अधिकार तक के लिए महिलाओं को सत्तर साल तक संघर्ष करना पड़ा था। जबकि हमारे यहां महिलाओं को वोट के अधिकार के लिए कोई संघर्ष नहीं करना पड़ा।

स्त्री अधिकारों की बात अपने यहां भी उन्नीसवीं सदी में पुनर्जागरण के नायकों और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले नेताओं ने जोर-शोर से उठाई थी। यों हजारों वर्षों से स्त्री की आफतों की बात होती रही है। थेरिगाथाओं में बौद्ध भिक्षुणियों की ये आवाज और शिकायतें सुनी जा सकती हैं। तुलसीदास की वे पंक्तियां भी उद्धृत करने योग्य हैं- केहि विधि नारि रची जग माहीं, पराधीन सपनेहु सुख नाहीं। बंगाल के महान उपन्यासकार शरतचंद्र ने भी अपने साहित्य में इस तरह के मुद्दों को खूब उठाया। हिंदी में भी महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, निराला आदि के साहित्य में स्त्रियों की समस्याओं की बात प्रमुखता से मिलती है। स्त्रीवाद की तीसरी धारा 1990 से 2010 तक मानी गई और 2010 के बाद चौथी धारा की बात की जा रही है। इसमें पितृसत्ता से पूरी मुक्ति और औरतों को समान वेतन देने की बात प्रमुखता से उठाई गई है। फिर 2018 में ट्विटर के जरिए दक्षिण कोरिया में एक आंदोलन चलाया गया, जिसे 4बी का नाम दिया गया। इसमें स्त्रियां एक कदम और आगे जा पहुंचीं।

कोरियाई भाषा में ब से शुरू होने वाले चार शब्दों का प्रयोग किया गया। ये शब्द हैं- बिहोन- पुरुष से शादी नहीं, बिकुलसन -कोई बच्चा नहीं, बियोनाए- पुरुषों के साथ डेटिंग भी नहीं, बिसेकसेउ, पुरुषों के साथ यौन सम्बंध नहीं। इसे फोर नोज भी कहते हैं। यानी कि महिलाओं के न कहने का अधिकार। इस आंदोलन में कहा गया था कि जो स्त्रियां अकेली रहती हैं, विवाह नहीं करतीं, जिनके बच्चे नहीं होते, कोरियाई सरकार और समाज उन्हें अच्छी नजर से नहीं देखता। महिलाओं को नौकरियों में भी पुरुषों के मुकाबले कोई प्राथमिकता नहीं मिलती। औरतों को सिर्फ उपभोक्ता समझा जाता है। पूंजीवादी समाज उन्हें हर तरह के अधिकार से वंचित करता है। समाज महिलाओं को सिर्फ मां बनाना चाहता है। जबकि मां बनना, न बनना, औरत का अपना अधिकार है क्योंकि यह उसका शरीर है। इसलिए वे अब पुरुषों से किसी भी प्रकार का सम्बंध नहीं रखना चाहतीं। वे ब्यूटी पार्लर्स का भी बहिष्कार कर रही हैं। कमाल ये है कि महिलाओं ने अपनी आफतों के लिए पूंजीवाद को दोषी ठहराया है, मगर बहिष्कार वे पुरुषों का कर रही हैं। जबकि पूंजीवाद में पुरुष भी मात्र उपभोक्ता में तब्दील कर दिए गए हैं, और वे भी शिकार ही हैं।

अमेरिका में जब से रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप, डेमोक्रेटिक पार्टी के कमला हैरिस को हराकर चुनाव जीता है, तब से वहां भी 4बी आंदोलन की आवाज सुनाई दे रही है। स्त्रियां पुरुषों का पूरी तरह से बहिष्कार करना चाहती हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि ट्रंप को गर्भपात विरोधी माना जाता है। यहां भी औरतों का मानना है कि वे मां बनें या न बनें , यह उन्हें ही तय करने दीजिए। कोई पुरुष उन्हें इसके ऊपर लाद नहीं सकता। ट्रंप अपने भाषणों में बार-बार कहते रहे हैं कि अमेरिकी समाज की बड़ी जरूरत परिवार और परिवार के मूल्यों की वापसी है। पूर्व उपराष्ट्रपति अल गेर की पत्नी तो परिवार की वापसी का आंदोलन 1993 से चला रही हैं। लेकिन अमेरिकी स्त्रियां कोरियाई स्त्रियों की तरह ही कह रही हैं कि उन्हें भी अपने जीवन में कोई पुरुष नहीं चाहिए।

पुरुषों के सम्पूर्ण बहिष्कार की बातों से कोई भी समाज कहां जा सकता है। देखने की बात यह है कि अमेरिका में एक ट्रेडिशनल वाइफ मूवमेंट भी है, जिसमें बहुत सी स्त्रियां कहती हैं कि वे अपने घरों में रहना चाहती हैं। पति और बच्चों की देखभाल करना चाहती हैं। पति के लिए भोजन पकाना तथा हर तरह के अन्य कामों में उनकी दिलचस्पी है। वे घर और दफ्तर के बीच दौड़ती रहना नहीं चाहतीं। अगर ध्यान से देखें तो जब भी कोई विमर्श जन्म लेता है, उसका प्रति विमर्श भी साथ-साथ आंखें खोलता है और उसे चुनौतियां देने लगता है। क्या दुनिया के सारे पुरुष स्त्रियों को सता रहे हैं या बहुसंख्यक वे भी पीड़ित और सताए गए हैं। चांदी की चम्मच जिनके मुंह में हैं, वे स्त्री हों या पुरुष, पूरी दुनिया में मजे में हैं और उनकी सम्पत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। निजी जीवन में पुरुष नहीं चाहिए, तो जिस आत्मनिर्भरता के परचम को लहरा रही हैं, कार्यस्थलों से भी क्या पुरुषों को खदेड़ देंगी। यदि इस समाज में सिर्फ औरतें रहेंगी, तो क्या वास्तव में तमाम तरह के शोषण और अन्याय से मुक्ति मिल सकेगी। स्त्रियों का राज होगा, तो क्या सत्ता चलाने का तंत्र बदल जाएगा। शायद नहीं, क्योंकि सत्ता चलाने के अपने तंत्र होते हैं और दुनिया में कोई भी सत्ता हो, वह निरंकुशता से ही चलती है।

हर कोई एक अच्छे और सुंदर शरीर की इच्छा रखता है। वैसे चेहरे का आकर्षण तो पतली गर्दन ही बढ़ाती है। इस गर्दन पर जमी चर्बी को कम करने में ये योगासन काफी सहायक हैं।

गर्दन की चर्बी कम करने के लिए करें ये योगासन

शरीर और चेहरे का आकर्षण पतली गर्दन बढ़ाती है। गर्दन पर आगे और पीछे की तरफ जमी अतिरिक्त वसा और डबल चिन लुक खराब करती है। कोई ड्रेस या शर्ट आदि में पतली गर्दन निखार लाती है। ऐसे में शरीर के कई हिस्सों की अतिरिक्त चर्बी को घटाने के साथ ही गर्दन में जमी वसा को कम करने के लिए कुछ योगासनों का अभ्यास किया जा सकता है। जिसके अभ्यास से चर्बी घट सकती है। इन योगा के अभ्यास के लिए किसी खास वक्त की जरूरत नहीं होती है। ये कभी भी और किसी भी स्थिति में किया जा सकता है। इन योगासनों से गर्दन और पीठ पर जमी वसा को घटाने के साथ ही चर्बी को कम करने में सहायक है।

उष्ट्रासन

ऊंट मुद्रा उष्ट्रासन शरीर के लचीलेपन में सुधार करता है और इसके कई फायदे हैं। यह पीठ के निचले हिस्से की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। पाचन को बढ़ाता है पेट के अंगों को उत्तेजित करके। गर्दन की चर्बी कम करने में भी मददगार है। उष्ट्रासन के अभ्यास के लिए जमीन पर घुटने के बल बैठकर दोनों हाथों को कूल्हों पर रखें और घुटनों को कंधों के समानांतर ले जाएं। अब गहरी सांस लेते हुए रीढ़ की निचली हड्डी को आगे की तरफ दबाव डालें। इस दौरान पूरा दबाव नाभि पर महसूस करें। हाथों से पैरों को पकड़ें और कमर को पीछे की तरफ मोड़ें। इस स्थिति में 30 से 60 सेकेंड रहने के बाद सामान्य स्थिति में आ जाएं। जो लोग अपने लचीलेपन पर काम करना चाहते हैं और अपनी छाती को खोलना चाहते हैं वे इस मुद्रा का अभ्यास कर सकते हैं। इसके अलावा पीठ की चोट, गर्दन की चोट, उच्च रक्तचाप, संवेदनशील घुटनों, गर्भावस्था या हाल ही में चोट वाले लोगों को इस मुद्रा से बचना चाहिए या संशोधित करना चाहिए। क्योंकि इससे इनके शरीर को नुकसान हो सकता है।

भुजंगासन

भुजंगासन के अभ्यास से गर्दन और गले में मौजूद अतिरिक्त वसा को कम करने में मदद मिलती है और वजन कम होता है। इसके अलावा बड़ा पेट कम करने के लिए भुजंगासन सबसे अच्छे आसनों में से एक है। इस आसन के लाभ शारीरिक रूप और सुंदरता को बढ़ा सकते हैं। भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेटकर हाथों को सिर के के दोनों तरफ जमीन पर टिका लें।अब हथेलियों को कंधों के बराबर ले जाते हुए गहरी सांस ले और हाथों को जमीन पर दबाते हुए नाभि तक ऊपर की तरफ उठाएं। सिर, छाती और पेट के हिस्से को ऊपर उठाएं। अब सिर को ऊपर की तरफ सांप के फन की तरह खींचे। कुछ देर इसी स्थिति में रहें और धीरे धीरे शुरुआती स्थिति में आ जाएं।

ताड़ासन

इस योग के नियमित अभ्यास से शरीर की मांसपेशियों और हड्डियों पर सकारात्मक असर पड़ता है। डबल चिन कम करने और गर्दन पर मौजूद फैट को कम करने में मदद मिलती है। इसके अलावा जो लोग अपनी कम लंबाई से लेकर या नाजुक शरीर से परेशान हैं उन्होंने इस योग का अवश्य अभ्यास करना चाहिए। ताड़ासन यह एक सरल और बहुउपयोगी आसान है जिसका अभ्यास आप आसानी से कर सकते हैं। ताड़ासन का अभ्यास करने के लिए दोनों पैरों के पंजों को मिलाकर सीधा खड़े हो जाएं। भुजाओं को साइड में रखें और हाथों को सिर के ऊपर उठाते हुए उंगलियों को फंसा कर हथेलियों को ऊपर की ओर रखें। अब नजर सीध में किसी बिंदु पर टिकाएं। सांस लेते हुए भुजाओं, कंधों और छाती के साथ ऊपर की ओर तानें। अब एड़ियों को ऊपर उठाते हुए पैरों के पंजों पर खड़े हो जाएं। पूरे शरीर को आसमान की ओर ले जाते हुए कुछ देर सांस रोककर इसी स्थिति में खड़े रहें। अब सांस छोड़ते हुए वापस पूर्व की मुद्रा में आ जाएं। अगर आपके पैर में कोई समस्या है या आप खड़े नहीं रह सकते है तो यह आसन नहीं करना चाहिए। गर्भावस्था में यह आसन नहीं करना चाहिए। वहीं अगर आप बीमार है या आपका कोई ऑपरेशन हुआ है तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही यह आसन करना चाहिए। अगर आप सिरदर्द या निम्न रक्तचाप के रोगी है तो यह आसन न करे। आसन करते समय आसन की अवधि अभ्यास के साथ धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। आसन करते समय कोई परेशानी होने पर डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

हंसना मना है

दो प्रेमी एक प्लेट में आंखों में आंखें डालकर गोलगप्पे खा रहे थे। प्रेमिका- ऐसे क्यूं देख रहे हो डियर? प्रेमी- एक तो मुझे भी खा लेने दे ना भूखी चुड़ैल।

गर्लफ्रेंड (घोंचूजी से)- क्या तुम मुझसे सचमुच बहुत प्रेम करते हो? घोंचूजी - इसमें कोई शक है क्या? गर्लफ्रेंड- तो क्या तुम मेरे लिए मर भी सकते हो? घोंचूजी- नहीं प्रिये, मेरा तो प्रेम अमर है।

प्रेमी-हम एक-दूसरे को इतना प्यार करते हैं, अच्छी तरह समझते हैं फिर भी तुम शादी के टालमटोल कर रही हो क्या तुम्हें मेरे प्यार पर भरोसा नहीं है? प्रेमिका- तुम्हारे प्यार पर तो भरोसा है पर तुम्हारी प्राइवेट कंपनी की जॉब का क्या भरोसा?

गर्ल- मैं तुम्हारे लिए आग पे चल सकती हूं नदी में कूद सकती हूं, लड़का- लव यू जानू.. क्या तुम मुझे अभी मिलने आ सकती हो, गर्ल- पागल हो क्या इतनी धूप में?

मां बोली- बेटा तुझे पता है, कि पेट्रोल सस्ता हो गया है? मैं - हां मां फिर? मां- चुप चाप फोन बंद कर के सो जा.. नहीं तो तेरे इसी फ़ोन पे पैट्रोल डाल के आग लगा दूंगी?

कहानी | लड़ती बकरियां और सियार

बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में किसी बात को लेकर दो बकरियों के बीच झगड़ा हो गया। इस झगड़े को वहां से गुजर रहा एक साधु देख रहा था। देखते ही देखते दो बकरियों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों आपस में लड़ने लगीं। उसी समय वहां से एक सियार भी गुजरा। वह बहुत भूखा था। जब उसने दोनों बकरियों को झगड़ते देखा, तो उसके मुंह में पानी आ गया। बकरियों की लड़ाई इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे को लहूलुहान कर दिया था, लेकिन फिर भी लड़ना नहीं छोड़ रही थीं। दोनों बकरियों के शरीर खून निकलने लगा था। भूखे सियार ने जब जमीन पर फैले खून की तरफ देखा, तो उसे चाटने लगा और धीरे-धीरे उनके करीब जाने लगा। उसकी भूख और ज्यादा बढ़ गई थी। उसके मन में आया कि क्यों न दोनों बकरियों को मारकर अपनी भूख मिटाई जाए। वहीं, दूर खड़ा साधु यह सब देख रहा था। जब उसने सियार को दोनों बकरियों के बीच जाते हुए देखा, तो सोचा कि अगर सियार इन दोनों बकरियों के और करीब गया, तो उसे चोट लग सकती है। यहां तक कि उसकी जान भी जा सकती है। साधु अभी यह सोच ही रहा था कि सियार दोनों बकरियों के बीच पहुंच गया। बकरियों ने जैसे ही उसे अपने पास आते देखा, तो दोनों ने लड़ना छोड़कर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से सियार अपने आप को संभाल नहीं सका और चोटिल हो गया। वह किसी तरह से अपनी जान बचाकर वहां से भागा। सियार को भागता देख बकरियां ने भी लड़ना छोड़ दिया और अपने घर लौट गईं। वहीं, साधु भी अपने घर की ओर चल दिया।

कहानी से सीख : हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। साथ ही दूसरों की लड़ाई में नहीं कूदना चाहिए, इससे हमारा ही नुकसान होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृषभ

अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

मिथुन

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा।

कर्क

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

सिंह

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या

पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा।

तुला

कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी।

वृश्चिक

फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मकर

योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

कुम्भ

राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

मीन

नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

फैशन सामाजिक बदलाव का एक बहुत बड़ा मानक है : भूमि

पर्यावरण सुरक्षा को लेकर शुरू से मुखर रहीं अभिनेत्री भूमि पेडनेकर फैशन के जरिये भी समाज को मुखर बनाने का दम भरती रही हैं। वह मानती हैं कि एक महिला अपने तौर तरीकों, खुद को समाज में प्रस्तुत करने के ढंग और अपने लिबास से परिवर्तन की प्रहरी बन सकती है।

भूमि का ये स्पष्ट मानना रहा है किसी भी नई चीज को अपनाने के लिए उसके बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी है। वह कहती हैं, फैशन को लेकर ये समझना बहुत जरूरी है कि इसका सहज, सरल और सामाजिक होना अनिवार्य है। सिर्फ महंगे वस्त्र या डिजाइनर कपड़ों से ही फैशन होता है, ये भी सही नहीं है। फैशन सामाजिक बदलाव का एक बहुत बड़ा मानक है, ये बात मैं शुरू से मानती रही हूं। हमारे आसपास के वातावरण को संभालने में फैशन किस तरह काम आ सकता है, इस बारे में भूमि कहती हैं, पर्यावरण संरक्षण पर काम करने के दौरान ही कोरोना संक्रमण काल के बाद मैंने फैशन के इस पहलू के बारे में लोगों को जागरूक करना शुरू किया। हम लोग जब दिल्ली में थे तो मैं सरोजनी नगर से ही कपड़े लाती थी। फिर उनमें अपनी सोच के हिसाब से मोहल्ले के टेलर मास्टर से बदलाव कराती और नई ड्रेस तैयार कर लेती। भूमि पेडनेकर के मुताबिक, हमारे लिबास हमारे व्यक्तित्व की पहली बानगी होते हैं और इसका सबसे सुंदर उदाहरण मैं अभिनेत्री रेखा जी को मानती हूं। उनका आकर्षण उनके लिबास को देखकर जो बनता है, उससे न जाने कितने लोग प्रभावित हुए हैं। लोगों ने भी अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके जैसा दिखना शुरू कर दिया है। नई सोच का फैशन आज हर तरफ डिमांड में है। लेकिन, भूमि कहती हैं, फैशन वही अच्छा लगता है जो हमारे आसपास के वातावरण के मुताबिक हो। मौसम के मुताबिक हो और हमारी सोच व हमारी परंपराओं के मुताबिक हो। आधुनिक दिखने के लिए आधुनिक कपड़ों से ज्यादा जरूरी आधुनिक सोच है। वह सोच जो रंग, रूप, जाति, वर्ग, क्षेत्र आदि से परे है।

सिकंदर में सलमान खान संग फिल्म करने पर उत्साहित हैं रश्मिका मंदाना

सलमान खान अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म सिकंदर को लेकर सुर्खियों में है। फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। एआर मुरुगादॉस की ओर से निर्देशित फिल्म की कहानी जानने के लिए फैंस बेताब हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का पहला पोस्टर सलमान के जन्मदिन यानी 27 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। इस बीच रश्मिका ने सलमान के साथ काम करने को अपने अनुभाव को लेकर बात की।

रश्मिका मंदाना इन दिनों फिल्म पुष्पा 2 की सफलता को एंजॉय कर रही हैं। उन्होंने सलमान खान के साथ शूटिंग एक्सपीरियंस को लेकर कहा, यह बहुत नर्वस करने वाला था। बेशक, वह सलमान खान हैं। ये मेरी बॉलीवुड की पहली कर्मिशयल फिल्म होगी, जिसे मैं कर रही हूं। मेरी सभी बॉलीवुड फिल्मों की परफॉर्मेंस बेस्ड स्क्रिप्ट थी, लेकिन ये पहली बार है जब मैं हीरोइन बनने जा रही हूं। मैं बहुत उत्साहित हूं।

रश्मिका मंदाना ने आगे कहा, मैं सिर्फ अपने एक्टिंग के लिए नहीं चाहती कि लोग मुझे पहचानें। मैं पूरी तरह से कर्मिशयल सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि लोग जानें कि वह मुझ पर भी भरोसा कर सकते हैं। तो मुझे ये सब करना पसंद है और मुझे वह भी करना पसंद है। मैं लोगों को विश्वास दिलाऊंगा कि मुझे ये सब करना मैं काफी एजॉय करना पसंद है। रश्मिका मंदाना एनिमल पार्क को लेकर अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि संदीप वागां रेड्डी ने जब फिल्म के बारे में एक लाइनर बताया तो मेरा दिमाग हिल गया। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं पता कि उन्होंने कुछ बदला है या नहीं, लेकिन मुझे इतना पता है कि यह पूरी तरह से मैडनेस है। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें रणबीर कपूर और संदीप के साथ फिल्म में काम करने पर बहुत मजा आया।

बागी 4 में हुई हरनाज संधू की एंट्री

बॉलीवुड | मसाला

एहर्ष की ओर से निर्देशित बागी 4 में टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। कुछ दिन पहले ही फिल्म में संजय दत्त की एंट्री हुई है। उनका लुक मूवी से रिवील हो चुका है और इस बात की जानकारी भी सामने आ चुकी है कि वह विलेन के रोल में दिखेंगे। फीमेल लीड में सोनम बाजवा के बाद अब फिल्म में मिस यूनिवर्स हरनाज संधू की एंट्री हो गई है। बागी 4 से एक्ट्रेस बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने बागी 4 में हरनाज संधू की एंट्री की घोषणा कर दी है। उन्होंने इस बात की जानकारी अपने इंस्टाग्राम पेज पर दी। उन्होंने हरनाज की फोटो शेयर कर लिखा, मिस यूनिवर्स से बागी यूनिवर्स तक। पेश है हमारी नयी टैलेंट। बागी में महिला विद्रोही- हरनाज सिंधू। पोस्टर पर यूजर्स रिएक्ट कर रहे हैं। एक मीडिया यूजर ने लिखा, 'वॉव। इंतजार नहीं कर सकता।' एक यूजर ने लिखा, 'हमारी शेरनी हरनाज।' एक यूजर ने लिखा,' हम अपनी रानी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। वह निश्चित रूप से शानदार प्रदर्शन करने जा रही हैं। बधाई हो।' एक यूजर ने लिखा, 'मचेगा बवाल।'

हरनाज सिंधू, टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। फिल्म 5 सितंबर को सिनेमघरों में रिलीज होगी। वहीं, 10 दिसंबर को मेकर्स ने सोनम बाजवा की फिल्म में एंट्री को लेकर फैंस को जानकारी दी थी। बागी में में सोनम, टाइगर और संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगी। सोनम ने अपने इंस्टाग्राम पर इस बारे में बताया था। उन्होंने फिल्म के क्लैप बोर्ड की तसवीर शेयर की थी। एक्ट्रेस साजिद नाडियाडवाला के साथ दूसरी बार काम कर रही है। उनके साथ एक्ट्रेस की पहली फिल्म हाउसफुल 5 है।

अजब-गजब | शायद की आप जानते होंगे ये वजह

अखबार के पेज पर बने चार गोलों का क्या है मतलब, क्यों होते हैं ये अलग-अलग रंगों के?

वैसे तो आजकल जमाना डिजिटल हो चुका है और हमें कोई भी खबर पता करनी हो तो फोन या लैपटॉप से झट से पता कर ली जाती है। बावजूद इसके आज भी बहुत से ऐसे लोग हैं, जो अखबारों पर ही भरोसा करते हैं। उनकी सुबह का मतलब ही चाय और उसके साथ अखबार होता है। समय के साथ-साथ अखबार के पन्नों में बहुत कुछ बदलता गया लेकिन कुछ चीजें वैसी की वैसी रहीं। अखबार पढ़ते वक्त आपकी नजर कभी न कभी इसके पेज के निचले साइड में बने हुए 4 गोलों पर गई होगी। ये चार गोले क्यों बने होते हैं और इनके अलग-अलग रंगों का क्या है मतलब? क्या जानते हैं आप? आपको हर पेज के नीचे कुछ 4 रंग-बिरंगे डॉट्स देखने को मिलते हैं। आखिर इतने बड़े अखबार में इतने छोटे-छोटे गोलों का मतलब क्या है?

दरअसल ये गोले अखबार पर सही कलर पैटर्न बनाने के लिए मार्कर का काम करते हैं। बचपन में हमने प्राइमरी कलर्स के बारे में पढ़ा था- लाल, पीला और नीला ऐसे रंग है जिन्हें हम दूसरे रंगो की मदद से नहीं बना सकते है। हालांकि इन तीन रंगो के मदद से हम तरह-तरह के रंग जरूर बना सकते है। प्राइमरी कलर्स का पैटर्न ही प्रिंटर में भी लगाया जाता है। इसमें बस एक और काला रंग जुड़ जाता है। अखबार में बने रंगीन डॉट्स CMYK कहलाते हैं। इसमें ष्ट का मतलब है Cyan या नीला। M से मजेंटा यानि गुलाबी, Y होता है पीला और च्च का मतलब है काला है। किसी भी अखबार में रंग-बिरंगे चित्र और हेडलाइंस को दर्शाने में CMYK अहम भूमिका निभाता है। प्रिंटिंग के वक्त इन सभी रंगों की प्लेटें एक पेज पर अलग से रखी जाती हैं। जब अखबार में तस्वीर धुंधली दिखे, तो इसका मतलब है कि प्लेट्स ओवरलैप हो गई हैं। अगर एक रंग का डॉट दूसरे रंग पर चढ़ जाए तो तस्वीर का रंग भी खराब हो जाता है। यही पैटर्न किताबों और मैगज़ीनों को प्रिंट करते वक्त भी काम करता है। सबसे पहले ईगल प्रिंटिंग कंपनी ने 1906 में इस पैटर्न का इस्तेमाल किया था।

यहां है पत्नियों से पीड़ित पुरुषों के लिए आश्रम, एंट्री मिलने की हैं कई शर्तें

हमारे देश में हजारों आश्रम मौजूद हैं। जहां आध्यात्मिक लोगों से लेकर गरीब लोगों के रहने की व्यवस्था की जाती है। लेकिन आज हम आपको अपने ही देश के एक ऐसे आश्रम के बारे में बताने जा रहे हैं। जो इन सब से अलग है। क्योंकि ये आश्रम सिर्फ पत्नियों से पीड़ित पुरुषों के लिए बनाया गया है। जहां ऐसे पुरुषों को ही रहने की अनुमति मिलती है जो अपनी पत्नी से परेशान हो। बता दें कि ये अनोखा आश्रम महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है इस आश्रम को पत्नियों द्वारा पीड़ित कुछ पुरुषों ने खोला है। ये आश्रम औरंगाबाद से करीब 12 किलोमीटर दूर शिरडी-मुंबई हाईवे पर बना है। इस आश्रम पर कई पत्नी पीड़ित पुरुष रोजाना सलाह लेने आते रहते हैं। ये आश्रम हाईवे से देखने पर किसी सामान्य घर की तरह ही दिखाई देता है। लेकिन आश्रम के अंदर जाते ही अलग अनुभव की प्राप्ति होती है। इस आश्रम में प्रवेश करते ही पहले कमरे में कार्यालय बनाया गया है, जहां पत्नी पीडितों को कानूनी लड़ाई के बारे मे सलाह दी जाती है। कार्यालय में थर्माकोल से एक बड़ा सा कौआ बनाया गया है। हर रोज सुबह-शाम अगरबत्ती लगाकर उसकी पूजा की जाती है। आश्रम में रहने वालों का कहना है कि मादा कौआ अंडा देकर उड़ जाती है लेकिन नर कौआ चूजों का पालन पोषण करता है। ऐसी ही कुछ स्थिति पत्नी पीड़ित पतियों की होती है। इसीलिए यहां कौए की प्रतिमा की पूजा की जाती है। इसके अलावा यहां हर शनिवार और रविवार की सुबह 10 से शाम 6 बजे तक पत्नी-पीड़ितों की काउंसलिंग की जाती है। शुरूआत में केवल शहर और आसपास के लोग आते थे। अब छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश से तकरीबन आश्रम मे सलाह लेने के लिए आ रहे है। अनुभवी वकील के पास जिस तरह केस की डिटेल्स होती है उसी तरह आश्रम के संस्थापक भारत फुलारे गवाह और सबूतों की फाईल बनाते है। इस आश्रम में एंट्री करना आसान नहीं है। पत्नी की ओर से कम से कम 20 केस दाखिल होना जरूरी। गुजारा भत्ता न चुकाने से जेल मे जाकर आया हुआ व्यक्ति यहां प्रवेश ले सकता है। पत्नी द्वारा केस दाखिल करने के बाद जिसकी नौकरी गई ऐसा व्यक्ति यहां रह सकता है। दूसरी शादी करने का विचार भी मन में न लाने वाले व्यक्ति को प्रवेश मिलेगा। आश्रम मे रहने के बाद अपनी कौशल के अनुसार काम करना जरूरी। बता दें कि ये आश्रम 1200 स्क्वेयर फीट में बनाया गया है जिसमें तीन कमरे बनाए गए हैं। आश्रम में रहने वाले पुरूष खिचड़ी, रोटी, सब्जी, दाल सबकुछ खुद ही बनाते है। सलाह लेने के आने वाले हर व्यक्ति को खिचड़ी बनाकर खिलाई जाती है। आश्रम में रहने वाले सदस्य पैसे जमा कर यहां का खर्चा उठाते है। आश्रम मे रहने वाले लोगों मे कोई टेलर है तो कोई गैराज का मैकनिक है।

वन नेशन, वन इलेक्शन की कैबिनेट मंजूरी ने बढ़ाई सियासी टेंशन

विपक्ष बोला- दिल्ली की तानाशाही सनक के आगे नहीं झुकेंगे

कांग्रेस, टीएमसी, सपा व आप सभी ने किया विरोध

» विपक्षी नेताओं ने एनडीए सरकार व पीएम मोदी पर जमकर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी कैबिनेट ने गुरुवार को वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह बिल संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। इस फैसले के बाद देश की सियासत में भूचाल आ गया है। विपक्षी नेताओं ने केंद्र की एनडीए सरकार व पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला है। बंगाल, तमिलनाडु व कर्नाटक के सीएम समेत कई विपक्षी नेताओं ने इसका विरोध किया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने दोपहर एक्स हैंडल पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने लिखा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विशेषज्ञों और विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई हर जायज चिंता को नजरअंदाज करते हुए असंवैधानिक और संघीय-विरोधी एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक को अपना रास्ता बना लिया है। ममता बनर्जी ने आगे लिखा कि यह सावधानीपूर्वक सोचा गया सुधार नहीं है, यह भारत के लोकतंत्र और संघीय ढांचे को कमजोर करने के लिए बनाया गया एक सत्तावादी आरोप है। उन्होंने कहा कि हमारे सांसद संसद में इस कठोर कानून का पुरजोर विरोध करेंगे। बंगाल कभी भी दिल्ली की तानाशाही सनक के आगे नहीं झुकेगा। यह लड़ाई भारत के लोकतंत्र को निरंकुशता के चंगुल से बचाने की है!

एक देश, एक चुनाव की व्यवस्था 'अव्यावहारिक' ही नहीं 'अलोकतांत्रिक' भी : अखिलेश

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार पर तंज करते हुए कहा, ''जो सरकार बारिश, पानी, त्योहार, नहान के नाम पर चुनावों को टाल देती है वो एक साथ चुनाव कराने का दावा कैसे कर सकती है। यादव ने एक्स पर कहा, ''एक देश, एक चुनाव सही मायनों में एक अव्यावहारिक ही नहीं अलोकतांत्रिक व्यवस्था भी है क्योंकि कभी-कभी सरकारें अपनी समयावधि के बीच में भी अस्थिर हो जाती हैं तो क्या वहां की जनता बिना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के रहेगी। इसके लिए सवैधानिक रूप से चुनी गयी सरकारों को बीच में ही भंग करना होगा, जो जनमत का अपमान होगा उन्होंने कहा, ''दरअसल 'एक देश, एक चुनाव' लोकतंत्र के खिलाफ, एकतंत्री सोच का बहुत बड़ा षड्यंत्र है। जो चाहता है कि एक साथ ही पूरे देश पर कब्जा कर लिया जाए।

कांग्रेस ने पत्र लिखकर पहले ही कर दिया था विरोध : जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी के रुख में कुछ बदलाव नहीं हुआ है। खरगे ने समिति को इस साल 17 जनवरी को पत्र लिखकर 'एक देश, एक चुनाव' के विचार का पुरजोर विरोध किया था। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि पहले भी उनकी पार्टी ने चुनाव, चुनावी प्रणाली और चुनावी शुचिता से संबंधित कई सवाल उठाए हैं।

क्षेत्रीय आवाज को कर देगा खत्म : स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने संसद में केंद्रीय मंत्रिमंडल के एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक को कठोर बताया और कहा कि यह अव्यवहारिक और अलोकतांत्रिक कदम क्षेत्रीय आवाजों को मिटा देगा, संघवाद को खत्म कर देगा और शासन को बाधित करेगा। उन्होंने सभी से भारतीय लोकतंत्र पर इस हमले का पूरी ताकत से विरोध करने का आग्रह किया। स्टालिन ने लिखा कि यह अव्यवहारिक और अलोकतांत्रिक कदम क्षेत्रीय आवाजों को मिटा देगा, संघवाद को नष्ट कर देगा और शासन को बाधित कर देगा। उठो भारत! आइए हम अपनी पूरी ताकत से भारतीय लोकतंत्र पर इस हमले का विरोध करें।

पीएम मोदी केवल अपनी बात करते हैं किसी की सुनते नहीं : संजय राउत

शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने वन नेशन, वन इलेक्शन पर कहा कि मोदी सरकार अपने स्वार्थ के लिए कर रही है। मुझे नहीं लगता है कि पीएम मोदी 2029 तक पीएम रह पाएंगे। यह सरकार जम्मू-कश्मीर और बीएमसी का चुनाव नहीं करा पाती। पीएम मोदी केवल अपनी बात करते हैं। किसी की सुनते नहीं है। अजित पवार की पार्टी के पास अभी सुनील तटकरे के रूप में सिर्फ एक संसद है, मंत्री बनने के लिए 6 सांसद चाहिए, इसलिए ये सारा कवायद प्रफुल्ल पटेल कर रहे हैं।

'एक देश, एक चुनाव' विधेयक लोकतंत्र पर हमला : सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'एक देश, एक चुनाव' विधेयक को मंजूरी दिए जाने की आलोचना करते हुए इसे 'संसदीय लोकतंत्र और भारत के संघीय ढांचे पर हमला' करार दिया। उन्होंने इसे राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने के उद्देश्य से एक 'भयावह साजिश' बताया। सिद्धारमैया ने चेतावनी दी कि अगर आवश्यक हुआ तो उनकी सरकार केरल सरकार की तरह ही प्रस्ताव का विरोध करने के लिए कांग्रेस आलाकमान से परामर्श करेगी।

सफेद हाथी साबित हो रही आयुष्मान योजना : कमलनाथ

» सूची से हटाई गई 196 बीमारियों को शामिल करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। आयुष्मान भारत योजना को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आरोप लगाये हैं, उन्होंने इसे सफेद हाथी करार दिया है, कमलनाथ ने इस योजना में शामिल बीमारियों की सूची से 196 बीमारियों को हटाने पर ऐतराज जताते हुए इसे वापस सूची में शामिल करने की मांग की है।

दरअसल 2018 में मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत योजना में पात्र हितग्राही को 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाती है, हाल ही में इस योजना में 70 साल से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों को भी शामिल किया गया है, इस योजना में 1760 बीमारियों का इलाज निजी अस्पतालों में करवाने की सुविधा सरकार ने दी लेकिन कुछ शिकायतों के बाद सरकार ने 196 बीमारियों को इलाज वाली सूची से अब हटा दिया है, यानि अब इन 196 बीमारियों का इलाज प्राइवेट अस्पतालों में नहीं होगा।

छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार का एक साल पूरी तरह नाकामी से भरा रहा : भूपेश बघेल

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्तमान भाजपा सरकार के एक साल पूरे होने को लेकर जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि सरकार की ऐसी कोई उपलब्धि अभी तक नहीं है, जो बताई जा सके। पहले जब कांग्रेस की सरकार थी, तब राजीव गांधी योजना गोठान योजना जैसी विभिन्न योजना संचालित थी। जिसे भाजपा सरकार द्वारा बंद कर दिया गया है, जो कि आर्थिक रूप से सामाजिक रूप से हर तरीके से जोड़ने का काम करते थे। पहले फल और सब्जी के किसानों को 10 हजार रुपये प्रति एकड़ मदद मिलती थी, जो कि अब योजना बंद कर दी गई है।

इसी तरह से देशहित में फैसले होने चाहिए : अंसारी

» सुप्रीम कोर्ट के वर्शिप एक्ट 1991 की वैधानिकता पर आए फैसले पर मिली-जुली प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वर्शिप एक्ट 1991 की वैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस सुनवाई के सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया और अगली सुनवाई तक मंदिर मस्जिद से जुड़े किसी भी नए मामले मुकदमा दर्ज ना करने के आदेश दिए है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व वादी इकबाल अंसारी का भी बड़ा बयान सामने आया है. इकबाल अंसारी ने कहा कि ये हमारे देश का सवाल है और ऐसे में हमारे देश का भला होना चाहिए, साथ में सबका साथ सबका विकास होना चाहिए। देश के सभी न्यायाधीश अपने कर्तव्यों के प्रति वफादार हैं और जो भी निर्णय वे लेते हैं, वह कानूनी दायरे में करते हैं, इसलिए मैं उनका शुक्रिया अदा करता हूं, अगर उनका नाम न्यायमूर्ति है तो वे न्याय भी करते हैं, हमारे देश में चाहे हिंदू हो या मुसलमान सभी धर्मों का एक पूजा स्थल होते हैं और उन सभी का धर्मों का सम्मान होना चाहिए और देश में एकता बरकरार रहनी चाहिए।

भारतीय ग्रैंडमास्टर गुकेश बने शतरंज के विश्व चैंपियन

» 14वीं और आखिरी बाजी में गत चैंपियन लिरेन को दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिंगापुर। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने उतार-चढ़ाव से भरे खिताबी मुकाबले की रोमांचक 14वीं और आखिरी बाजी में गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराकर 18 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने। उनकी यह जीत देश के शतरंज खिलाड़ियों के लिए प्रभुत्व के एक नए युग की शुरुआत करेगी और महान विश्वनाथन आनंद की बेजोड़ विरासत को आगे ले जाएगी।

आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले गुकेश दूसरे भारतीय हैं। आनंद ने अपने करियर में पांच बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। संयोग से 55 वर्षीय आनंद ने चेन्नई में अपनी शतरंज अकादमी में गुकेश को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुकेश ने 14 बाजी के इस मुकाबले की आखिरी क्लासिकल बाजी जीतकर खिताब जीतने के लिए जरूरी 7.5 अंक जुटाए, जबकि लिरेन के नाम 6.5 अंक रहे। यह बाजी हालांकि अधिकांश समय ड्रॉ की ओर जाती दिख रही थी। खिताब जीतने के लिए गुकेश को 25 लाख डॉलर (21 करोड़ रुपये) की इनामी राशि में से 13 लाख डॉलर यानी 11.03 करोड़ रुपये मिले। चेन्नई के गुकेश ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद कहा, मैं पिछले 10 वर्षों से इस पल का सपना देख रहा था। मुझे खुशी है कि मैंने इस सपने को हकीकत में बदला।

आनंद के बाद वैश्विक खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय

गुकेश दिग्गज विश्वनाथन आनंद के बाद वैश्विक खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद ने 2013 में मैग्नस कार्लसन को विश्व खिताब गंवा दिया था। गुकेश ने कहा, हर शतरंज खिलाड़ी इस सपने को जीना चाहता है। मैं अपना सपना जी रहा हूं। गुकेश ने चार घंटे में 58 चाल के बाद लिरेन के खिलाफ 14वीं बाजी जीती और कुल मिलाकर 18वें विश्व शतरंज चैंपियन बने। यदि गुरुवार की बाजी भी ड्रॉ रहती तो विजेता का फैसला शुक्रवार को कम अवधि के टाईब्रेक में होता। गुकेश ने गुरुवार को निर्णायक बाजी से पूर्व तीसरे और 11वें दौर में जीत हासिल की थी, जबकि 32 वर्षीय लिरेन ने शुरुआती बाजी के अलावा 12वीं बाजी अपने नाम की थी। अन्य सभी बाजियां ड्रॉ रही।

किसान आंदोलन को लेकर केंद्र को सुप्रीम आदेश

किसान नेता से बात करे सरकार के प्रतिनिधि, शीर्ष कोर्ट की किसानों को गांधीवादी तरीका अपनाने की सलाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शन कर रहे किसानों से गांधीवादी तरीका अपनाने की सलाह दी है। साथ ही अस्थायी रूप से विरोध प्रदर्शन स्थगित करने और राजमार्गों से हटने को कहा है। बता दें, डल्लेवाल फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित आंदोलनकारी किसानों की मांगों के समर्थन में केंद्र पर दबाव बनाने के लिए 26 नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर आमरण अनशन पर हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर डेरा डाले हैं। 13 फरवरी को सुरक्षा बलों ने उन्हें दिल्ली की ओर बढ़ने से रोक लिया था। याचिका में आरोप है कि किसानों और उनके संगठनों ने बेमियादी अवधि के लिए पंजाब में समस्त राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि आंदोलनकारी किसान राष्ट्रीय राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध नहीं करें। हालांकि, अदालत ने पंजाब में उन राजमार्गों पर अवरोधकों को हटाने के लिए केंद्र व अन्य को निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी थी, जहां किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

केंद्र सरकार को अड़ियल रवैया छोड़ किसानों से बात करनी चाहिए : हुड्डा

चंडीगढ़। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को अपना अड़ियल रवैया छोड़कर प्रदर्शनकारी किसानों से बात करनी चाहिए, क्योंकि आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। डल्लेवाल 26 नवंबर से पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर अनशन पर बैठे हैं, ताकि केंद्र पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी समेत किसानों की मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाया जा सके।एक किसान नेता के अनुसार डल्लेवाल का वजन 11 किलोग्राम कम हो गया है, जबकि उनके ब्लड शुगर के स्तर में भी उतार-चढ़ाव हो रहा है। हुड्डा ने कहा, किसान कोई नयी मांग नहीं

कर रहे। वे केवल सरकार को उसके वादों की याद दिला रहे हैं। वे अपनी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी चाहते हैं, जो पूरी तरह से जायज है। किसानों ने इसी शर्त पर 2021 में आंदोलन वापस लिया था। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,भाजपा सरकार को अपना अड़ियल रवैया छोड़कर किसानों से बात करनी चाहिए।

किसान नेता की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई

शीर्ष अदालत ने पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई है। बता दें, डल्लेवाल आमरण अनशन पर हैं। अदालत ने पंजाब और केंद्र से किसान नेता को तुरंत चिकित्सा सहायता मुहैया कराने और उन्हें आमरण अनशन तोड़ने के लिए मनाने को कहा। इसके अलावा, सरकार के प्रतिनिधियों से डल्लेवाल से तुरंत मिलने को कहा, लेकिन उनके विरोध को तोड़ने के लिए किसी भी तरह के बल का इस्तेमाल करने के खिलाफ चेतावनी दी।

आरबीआई को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के स्कूलों को धमकी के बाद अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद हड़कंप मच गया है। आरबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर एक ईमेल मिला है, जिसमें रूसी भाषा में धमकी दी गई है।

रूसी भाषा में आया मेल

मेल में दावा किया गया है कि वो आरबीआई को बम से उड़ा देंगे। मुंबई पुलिस ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही माता रमाबाई मार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। आरबीआई को इससे पहले भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसी साल नवंबर में ही आरबीआई के ग्राहक सेवा विभाग को एक धमकी भरा कॉल आया था। कॉल सुबह 10 बजे के करीब आया था और धमकी देते वाले व्यक्ति ने कहा था कि वो लश्कर-ए-तैयबा का सीईओ है।

दिल्ली के 6 स्कूलों को भी मिली धमकी

इससे पहले आज ही दिल्ली के 6 नामी स्कूलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली। स्कूलों को ईमेल के जरिए ये धमकी मिली। इसकी जानकारी लगने पर अग्निशमन अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। बता दें कि दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश डीपीएस, सलवान स्कूल, मॉडर्न स्कूल और कैंब्रिज स्कूल को ई-मेल के माध्यम से धमकी मिली है। पुलिस ने चारों ही स्कूलों में पहुंच कर जांच शुरू कर दी है।

पीएम बताएं बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहा है भारत: उद्धव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत क्या कदम उठा रहा है। मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि उसका हिंदुत्व केवल वोटों के लिए है।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों में तोड़फोड़ की जा रही है, जहां पिछले कुछ महीनों में अल्पसंख्यक हिंदुओं को हिंसक हमलों का सामना करना पड़ा है। ठाकरे ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में सुरक्षित हैं, लेकिन पड़ोसी देश में हिंदुओं का क्या? ठाकरे ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि भारत बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहा है।

साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में हुई महिला की मौत के मामले में कार्यवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। पुष्पा 2 के एक्टर अल्लू अर्जुन से जुड़ी बड़ी खबर आ रही है। दरअसल सुपरस्टार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभिनेता को हैदराबाद के संध्या थिएटर में 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में हुई एक महिला की मौत के मामले में गिरफ्तार किया गया है। कथित तौर पर अल्लू अर्जुन को चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन ले जाया गया है।

अर्जुन को शुक्रवार को चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन की एक टीम ने हिरासत में ले लिया, जहां मामला दर्ज किया गया था। अभिनेता को बाद में दिन में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। घटना 4 दिसंबर

को हुई थी। उस दौरान संध्या थिएटर में पुष्पा 2 की सीक्रिनिंग के लिए अल्लू अर्जुन भी पहुंचे थे। वहीं अपने फेवरेट स्टार की एक झलक पाने के लिए संध्या थिएटर में बड़ी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान भगदड़ मच गई और रेवती नाम की 39 वर्षीय महिला की दम घुटने के कारण दुखद मौत हो गई, जबकि उसके आठ वर्षीय बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला के परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने 5 दिसंबर को अर्जुन, उनकी सिक्योरिटी टीम और थिएटर मैनेजमेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

इस्तांबुल हवाई अड्डे पर फंसे 400 भारतीय यात्री

इंडिगो की फ्लाइट में सवार थे यात्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। इंडिगो से उड़ान भरने वाले करीब 400 यात्री इस्तांबुल एयरपोर्ट पर 24 घंटे से अधिक समय से फंसे हुए हैं, क्योंकि इस्तांबुल से दिल्ली और मुंबई जाने वाली उड़ानों में देरी के कारण यात्री निराश हैं और उन्हें पर्याप्त सहायता नहीं मिल पा रही है। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा जाहिर किया, जिसमें एयरलाइन के कर्मचारियों की ओर से अपर्याप्त संचार, भोजन की कमी और खराब आवास का आरोप लगाया गया।

समस्या तब शुरू हुई जब 12 दिसंबर को रात 8.10 बजे रवाना होने वाली इस्तांबुल से दिल्ली की उड़ान को शुरू में अगले दिन दोपहर 1.30 बजे के लिए विलंबित कर दिया गया।

यात्रियों को इंडिगो कर्मचारियों की ओर से बहुत कम जानकारी या सहायता के साथ एयरपोर्ट पर छोड़ दिया गया।

एक यात्री ने सोशल मीडिया पर स्थिति के बारे में पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि उड़ान में कई घंटे की देरी होने के बावजूद यात्रियों को पर्याप्त भोजन, आवास या एयरलाइन की ओर से उचित अपडेट भी नहीं दिया गया। व्यक्ति ने स्थिति से निपटने के लिए एयरलाइन के तरीके पर सवाल उठाया, इसे बकवास कहा और पूछा कि इस तरह के व्यवहार को कैसे उचित ठहराया जा सकता है। इसी तरह, इस्तांबुल से मुंबई के लिए उड़ान, जो मूल रूप से 12 दिसंबर को रात 8.15 बजे रवाना होने वाली थी, पहले रात 11 बजे रवाना हुई, फिर अगली सुबह 10 बजे तक के लिए विलंबित कर दी गई। निराश यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें चल रही देरी के बारे में इंडिगो से कोई संचार नहीं मिला। यात्रियों ने बताया कि अपडेट देने वाले तुर्की एयरलाइंस के कर्मचारी थे और इंडिगो की ओर से कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई।

मुआवजे के रूप में लाउंज में प्रवेश के वादे के बावजूद, इस्तांबुल हवाई अड्डे पर लाउंज में भीड़भाड़ थी और सभी फंसे हुए यात्रियों को समायोजित करने में असमर्थ थे, उन्होंने सोशल मीडिया पर दावा किया।

कई यात्री घंटों तक खड़े रहे, उचित सुविधाओं की कमी के कारण और अधिक असुविधा का सामना करना पड़ा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।